Result Mitra Daily Magazine

यूरोप में डेंगू का हालिया प्रसार

संदर्भ-

- हाल के कुछ वर्षों में यूरोप में 'डेंगू' संबंधी मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है।
- चूंकि डेंगू यूरोप में 'स्थानिक' नहीं हैं यह यहाँ बढ़ती अंतरराष्ट्रीय यात्रा से आयातित है।

यूरोप में डेंगू के बढ़ते आंकड़े-

- यूरोपीय मुख्य भूमि पर स्थानिक रूप से प्रसारित डेंगू के मामले 2015 से पहले लगभग शून्य था।
- 2015 से 2019 के बीच एकत्र किए गए आंकड़े के अनुसार डेंगू हॉटस्पाट से संबंधित देशों की यात्रा से आने वाले संबंधित व्यक्ति में डेंगू के लगभग 3000 मामले देखे गए जबकि इसी दौरान स्थानिक रूप से प्रसारित डेंगू के केवल 9 मामले देखे गए।
- लेकिन 2022 एवं 2023 में संयुक्त रूप से यूरोपीय मुख्य भूमि पर पिछले सात दशकों की तुलना में डेंगू के मामले में अधिक वृद्धि देखी गई।
- यूरोपीय देशों में फ्रांस, इटली और स्पेन में डेंगू के मामले में वृद्धि देखी गई ।

ECDC की रिपोर्ट-

- यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल (ECDC) के अनुसार 'डेंगू' यूरोप में स्थानिक नहीं है क्योंकि डेंगू का वायरस यहाँ अपने आप जीवित नहीं रह सकता है।
- ECDC के अनुसार डेंगू के वायरस को जीवित रहने के लिए 'वेक्टर' (शरीर) की आवश्यक्ता होती है जो यहाँ डेंगू स्थानिक देशों की यात्रा करने वाले लोगों से प्रसारित है।
- ECDC के अनुसार डेंगू स्थानिक देशों से बढ़ती यूरोप की यात्रा से यूरोप में डेंगू मामले में वृद्धि सहित स्थानिक प्रकोप को भी बढ़ा सकता है।
- ECDC के अनुसार डेंगू स्थानिक क्षेत्र के यात्रा पर गए यूरोपीय यात्री को जब वहाँ डेंगू - वायरस वाले मच्छर काटता है तो उसके खून में डेंगू - वायरस भी आ जाता है।

Result Mitra

यूरोप में बढ़ते डेंगू के मामले के संभावित कारक-

- विशेषज्ञों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों से दक्षिण फ्रांस सहित दक्षिणी यूरोप में डेंगू के मामले में वृद्धि के निम्न कारक हो सकते हैं-

उच्च तापमान-

- दक्षिणी यूरोप में पिछले कुछ वर्षों से बढ़ रही लगातार गर्मी के कारण दिन और रात का उच्च तापमान, दक्षिणी यूरोप में डेंगू के प्रसार का महत्वपूर्ण कारक हो सकता है से समय तक उच्च तापमान मच्छर है पनपने में सहायक होती है।

यूरोप में मच्छरों की आबादी का विस्तार-

- एक रिपोर्ट के अनुसार यूरोप में डेंगू प्रसारित करने वाली एडीज मच्छर के प्रकार 'एडीज एल्बोपिक्टस' पहली बार 2000 के दशक के शुरुआत में पाया गया था।
- तब से लेकर यह एडीज मच्छर भूमध्यसागरीय और मध्य यूरोप के कई क्षेत्रों में फैल गया है
- वर्तमान में यूरोप में एडीज मच्छर की आबादी पूरी इटली, क्रोएशिया, अल्बानिया, स्लोवेनिया, हंगरी, फ्रांस, स्विटजरलैंड, दक्षिणी जर्मनी, आस्ट्रिया सहित स्पेन में फैल चुका है।
- हालांकि अन्य मच्छरों के विपरीत एडीज मच्छर अपने प्रजनन क्षेत्र से बहुत दूर नहीं जा सकता जिसके कारण इसे अन्य क्षेत्रों में फैलने में अभिक समय लग सकता है

डेंगू वायरस का यात्रा संबंधी संचरण-

- मुख्य रूप से यूरोप में डेंगू का बढ़ता प्रसार यहाँ के लोगों का डेंगू स्थानिक वाले देशों की यात्रा से संबंधित है
- डेंगू स्थानिक देशों की यात्रा हरने वाले युरोपीय वहाँ संक्रमित होकर घर वापस आकर इसको प्रसारित कर सकते हैं।

ResultMitra

वैश्विक स्तर पर डेंगू के आंकड़े-

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की एक रिपोर्ट के अनुसार यूरोप के बाहर डेंगू के मामले वर्ष 2010 से 2022 के दौर दुगुने से अधिक हो गए है।
- WHO के अनुसार वर्ष 2000 में वैश्विक स्तर पर डेंगू के मामले लगभग 5 लाख था जो 2019 में बढ़कर 5.2 मिलियन हो गया है।
- हालांकि WHO के अनुसार डेंगू के मामले की रिपोर्ट बहुत कम की जाती है इसिलिए ऐसा अनुमान है कि डेंगू के प्रति वर्ष, दुनियाभर में लगभग 400 मिलियन के करीब मामले हो सकते है।

डेंगू मच्छर का प्रसार-

- डेंगू वायरस मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है।
- दुनिया भर डेंगू वायरस वाले मादा एडीज मच्छर के कई प्रकार पाए जाते है।
- डेंगू बिमारी एक मौसमी पैटर्न पर प्रसारित होता है जो आमतौर पर चरम मॉनसून के बाद आता है
- डेंगू बीमारी में प्रत्येक वर्ष जुलाई से नवंबर तक बढोत्तरी देखी गई है जो पूरे वर्ष समान रूप से प्रसारित नहीं रहता है।
- डेंगू मच्छर 16 डिग्री से नीचे तापमान पर नहीं पनपपाता है तथा यह अपने प्रजनन क्षेत्र से 400 मीटर की सीमित दूरी तक ही उड सकता है।

डेंगू का पता लगाने का परीक्षण तरीका-

- डेंगू वायरस के पता लगाने के तरीके को 'एलिसा टेस्ट' के नाम से जाना जाता है।
- यह एलिसा टेस्ट IgM कोई IgG एंटीबॉडी परीक्षण और NS1 एंटीजन परीक्षण के तहत होता है।
- संक्रमित व्यक्ति के रक्त नमूने में अगर IgM या Ig4 एंटीबॉडी का पता चलता है तो यह 'डेंगु वायरस' की पुष्टि करता है।
- NSI एंटीजन परीक्षण संक्रमित व्यक्ति डेंगू के लक्षण आने से पहले ही तीव्र परीक्षण की अनुमति देता है।

डेंगू बुखार के समान्य लक्षण-

- 2 से 7 दिनो तक शरीर के तापमान में अचानक वृद्धि
- सिरदर्द

Result Mitra

- कमजोरी
- त्वचा पर खुजली और दाने
- रक्त प्लैटफैट्स में गिरावट
- रक्तस्राव
- पेट में दर्द, उल्टी, बेचैनी, चिडविड़ापन

भारत में डेंगू-

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार भारत में पिछले एक साल में हर दिन लगभग 600 से अधिक डेंगू के मामले सामने आए हैं
- भारत में डेंगू का पहला मामला 1996 में आया था, तब से लेकर अब तक यहाँ डेंगू के प्रसार में 1312 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

Result Mitra